कोरा जनजाति

- प्रजाति समुह प्रोटो ऑस्ट्रो लाइड
- प्रमुख उपजातियां - ढालो, मालो, सिखरिया, बादमिया, सोनारेखा, झेटिया एवं गुरीबावा।
- ये अपने गोत्र को गुष्टी कहते है।
- युवागृह - 'गितिओड़ा
- समगोत्रिय विवाह निषिद्ध माना जाता है।
- इनमे वधू मूल्य की प्रथा है।
- सर्वाधिक जमाव - धनबाद, संथाल परगना, हजारीबाग, गिरिडीह कोडरमा एवं चतरा
- गांव का प्रधान - महतो
- गांव का धार्मिक प्रधान - बैगा
- आर्थिक जीवन 'मुख्यतः' शिकार पर निर्भर है।
- अब कुछ लोग खेती बारी एवं मजदूरी करते हैं।

CAREER FOUNDATION
जुनून राष्ट्र सेवा का

परहिया जनजाति

- प्रजातिय समुह. - प्रोटो अस्ट्रोलायड
- यह झारखंड की एक आदिम जनजाति है।
- मुख्य जमाव - पलामू (इसके अलावा रांची, हजारीबाग, चतरा एवं संथाल परगना)
- प्रधान आराध्य- धरती
- धार्मिक प्रधान -बैगा
- गोत्र प्रथा नहीं है।
- नातेदारी प्रथा बिल्कुल हिन्दुओं की तरह है।
- वधू मूल्य देने की प्रथा है
- बाल विवह, विधवा विवाह एवं तलाक प्रथा है।
- आर्थिक आधार - जंगल
- ये पहाड़ों पर निवास करते हैं।
- अब यह लोग मैदानी भाग में आ बसे हैं।
- ये जंगलों से लाह, मॉम, गोंद, मधु आदी एकत्र करते हैं।
- अब ये जंगल कानून के कारण मजदूरी करने के लिए विवश हो गए।

CAREER FOUNDATION
जुनून राष्ट्र सेवा का

कोरवा जनजाति

- प्रजातियां समूह - प्रोटो-आस्ट्रेलायड
- यह झारखंड की आदिम जनजाति है।
- मुख्य जमाव - पलामू, लातेहार, गढ़वा, गुमला, सिंहभूम
- • इस जनजाती के दो शाखाएं हैं।

1. डिहरिया कोरवा (मैदान में रहने वाले कोरवा)
2. पहाड़िया कोरवा (पहाड़ों पर रहने वाले लोग)

- गोत्र- हुट्टरटिट्टो, कासी, सुइयां, खप्पो, कोकट एवं बुचुंग
- इनमे समगोत्रिय विवाह वर्जित है। इनमें एक विवाह की प्रथा है।
- बहू विवाह की प्रथा सीमित है।
- पलायन विवाह एवं प्रेम विवाह का प्रचलन है
- " "चढ़के विवाह" मे विवाह कन्या के यहां ""डोला विवाह" में विवाह वर के यहां होती है ।

- इनमे वधू मूल्य की प्रथा है।
- तलाक प्रथा बहुत सीमित
- पंचायत - भैयारी कहते हैं।

Website :-www.careerfoundation.org.in
Contact Us in- 7070802888

- धार्मिक विश्वास हिन्दू से प्रभावित हुआ है।
- ये सूर्य, चंद्रमा, पृथ्वी आदी की पूजा करते हैं।
- धार्मिक प्रधान - बैगा
- सर्वोच्च देवता - सिंगबोंगा
- " अन्य देवी देवता- गमेल्ह, (गांव का रक्षक देवता), रक्सेल (पशुओं का रक्षक)

गोड़ाइत (Gorait)

CAREER FOUNDATION
जुनून राष्ट्र सेवा का

- प्रजातियां समुह- द्रविड़ प्रजाति
- यह झारखंड के सदान समुदाय की एक जनजाति है।
- मुख्य जमाव - पलामू एवं रांची
- गोत्र - बाघ, इंदुआर, खलखो, टोप्पो ।
- समगोत्रिय विवाह निषिद्ध है।
- इनमे समान्यत: एक विवाह की प्रथा
- कहीं कहीं बहुविवाह भी मिलता है ।
- वधू- मूल्य भी मिलती हैं।

Website :-www.careerfoundation.org.in
Contact Us in- 7070802888

मुख्य पेशा -

- ये मजदूरी भी करते हैं।
- शिकार करना इनका शौक है पेशा नही
- मुख्य आराध्य देवी माई एवं पुरुबिया देवता
- धार्मिक प्रधान - बैगा

बिरजिया (Birajiya)

CAREER FOUNDATION

- बिरजिया का शाब्दिक अर्थ है- जंगल की मछली
- प्रजातियां समूह - द्रविड़ प्रजाति

इस जनजाति में दो समुह है ।

1. सेंदुरिया एवं तेलिया
2. दूध बिरजिया एवं रास बिरजिया

- सदान समुदाय की एक आदिम जनजाति है।
- मुख्य जमाव रांची एवं गुमला, लोहरदगा, पलामू

Website :-www.careerfoundation.org.in
Contact Us in- 7070802888

- सामगोत्रिय विवाह निषिद्ध है ।
- बहूविवाह की प्रथा है।
- पंचायत के प्रमुख - बैगा
- मुख्य पेशा खेती बारी
- इस जनजाति के लोग पूर्वजों की पूजा विशेष रूप से करते हैं।

बैगा (Baiga)

- शाब्दिक अर्थ - पुरोहित
- यह झारखंड की प्रमुख जनजाति है ।
- मुख्य जमाव - रांची, सिंहभूम एवं हजारीबाग ।
- प्रजातिय समूह - द्रविड़ प्रजाति
- इस जनजाति के गोत्र सामाजिक व्यवस्था, धर्म आदि खरवार जनजाति की तरह हैं।
- संयुक्त परिवार की प्रथा विशेष रूप से मिलती है ।
- पंचायत का मुखिया- मुक्कदम
- प्रधान देवता - बड़ा देव (जिसका वास साल वृक्ष में माना जाता है।)
- तंत्र मंत्र, वैध काम करने वाली जनजाति है।

CAREER FOUNDATION
जुनून राष्ट्र सेवा का
Website :-www.careerfoundation.org.in
Contact Us in- 7070802888

- बाघ को पवित्र पशु मानते हैं।
- यह जनजाति वन्य प्रदेशों में रहती है और ये शिकार करते हैं।
- ये जनजाति कंद मूल इकट्ठा करते हैं।

सबर जनजाति (Sabar)

- यह झारखंड की एक आदिम जनजाति है।
- मुख्य जमाव रांची, सिंहभूम, एवं हजारीबाग |
- इस जनजाति की प्रमुख शाखाएं हैं- झारा, बासु एवं जायतापती ।
- इनमें से केवल झारा सबर झारखंड में पायी जाती हैं अन्य उड़ीसा में पाये जाते हैं।
- प्रजातियां समूह - प्रोटो आस्ट्रेलायड
- इस जनजाति में गोत्र प्रथा नही है।
- नातेदारी व्यवस्था हिन्दुओं की तरह है
- ये एक विवाह प्रथा को पसंद करते हैं ।
- बहू विवाह के उदाहरण भी मिलते हैं।
- पुनर्विवाह की प्रथा मिलती है।
- पंचायत प्रमुख - प्रधान

CAREER FOUNDATION
Website :-www.careerfoundation.org.in
Contact Us in- 7070802888

- मुख्य पेश - खेती एवं मजदूरी
- इस जनजाति का धर्म हिन्दू धर्म से बहुत प्रभावित है।
- ये काली मां की पूजा करते हैं।

खोंड (khond)

- यह झारखंड की एक अल्पसंख्यक जनजाति है।
- मुख्य जमाव संथाल परगना
- इसके अलावा ये छिट-पुट रूप से उत्तरी छोटनागपुर, कोल्हान, दक्षिण छोटनागपुर एवं पलामू प्रमंडल
- प्रजातिय समूह - प्रोटो आस्ट्रेलायड
- यह अन्य जातियों के साथ गांवों में निवास करती है।
- गांव का मुखिया - गोटिया
- ये खेती एवं मजदूरी करते है
- कुरिया एवं डोगरिया तोड़ स्थानांतरित खेती करते हैं जिसे पोड़चा कहा जाता है ।
- प्रधान देवता - बेला पून है जो सूर्य का एक प्रतिरूप है।

CAREER FOUNDATION
Website :-www.careerfoundation.org.in
Contact Us in- 7070802888